भाबर प्रदेश :- शिवालिक के गिरिपाद क्षेत्र (foothills region) में बड़े व छोटे कंकड़ पत्थरों का जमाव इसके समांतर 8 से 10 km चौड़ी पट्टी के रूप में मिलता है।

- यह जलपारगम्य क्षेत्र है।
- इस भाग में छोटी नदियां विलुप्त हो जाती हैं। धरातल पर केवल बड़ी नदियां ही दिखाई देती हैं।

By.- Amit Shree Sir

तराई प्रदेश :- भाबर के दक्षिण में 10 से 20 Km चौड़ी पट्टी के रूप में विस्तृत है।

- भाबर में विलुप्त नदियां यहाँ सर्वप्रथम प्रकट होती है, जिससे दलदल का निर्माण हो जाता है।
- यहां सघन वनस्पतियां मिलती हैं

जलोढ़ प्रदेश :- नदियों द्वारा बहाकर लाये गये अवसाद को जलोढ़ कहा जाता है तथा ऐसे क्षेत्र को जलोढ़ प्रदेश के रूप

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

By.- Amit Shree Sir

खादर :- नवीन जलोढ़ का मैदान

↳ इसे पंजाब में बेट

बांगर :-

बांगर - पुरानी जलोढ़ का मैदान

↳ इसे पंजाब में धाया कहा जाता है।

Note:- बांगर प्रदेश में कृषि कार्य सिंचाई के माध्यम से होता है तथा अधिक सिंचाई के कारण मृदा में रेह/कल्लर की समस्या उत्पन्न हो जाती है जिसके उपचार हेतू जिप्सम का प्रयोग किया जाता है।

मैदान का प्रादेशिक वर्गीकरण

- सिंधु का मैदान या पंजाब-हरियाणा का मैदान
  - हरित क्रांति का जनक प्रदेश
  - अर्द्धशुष्क प्रदेश
- गंगा का मैदान
- ब्रह्मपुत्र या असम का मैदान

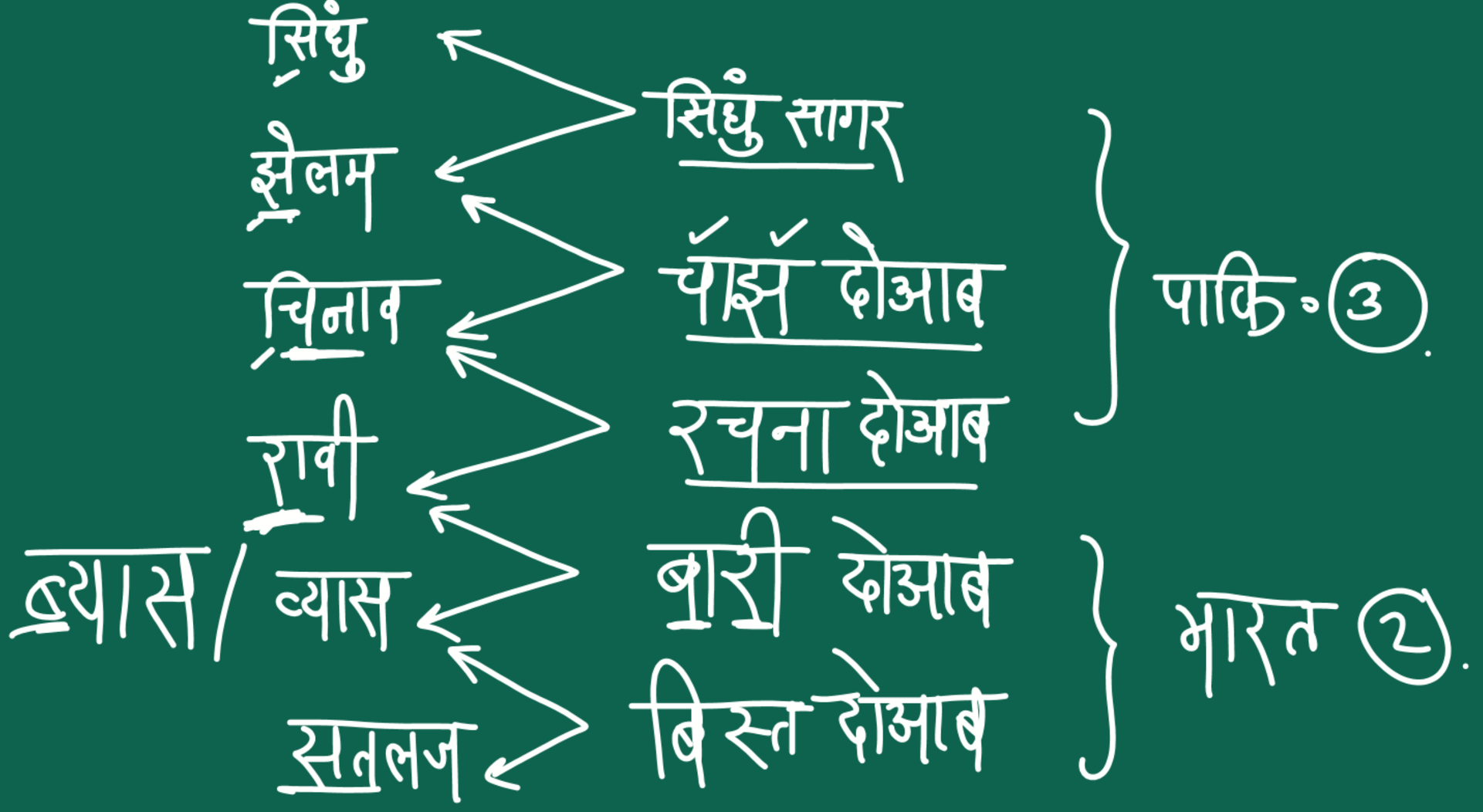
सिंधु
झेलम
चिनाव
रावी
ब्यास / व्यास
सतलज
सिंधु सागर
चॉर्ज दोआब
रचना दोआब
बारी दोआब
बिस्त दोआब
पाकि॰ ③
भारत ②

चोस (Chos) :- अवनालिका अपरदन (Gully erosion)

पूर्वी राजस्थान
दिल्ली
UP, बिहार व
प. बंगाल राज्यों में मिलता
है।